2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

130 हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ से मिलाकर लगायें

[redacted]

पुस्तिका का क्रमांक

320 - 1677256

परीक्षार्थी का रोल नम्बर अंकों में

-	2	0	4	2	3	0	9	4	7

BOARD OF SECONDARY EDUCATION ... BHOPAL

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें।

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ☒ शब्दों में ☒

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 04

ग :- परीक्षा का दिनांक 13 06 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी परीक्षा 422002

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
Devendra Singh Shakya	Chaudhary

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो ग्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था ... की मुद्रा लगाएं।

उप ... एवं निर्धा...

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

नोट :- ... परीक्षा में केवल वाणिज्य संकाय के विषयों तथा हाईस्कूल परीक्षा में प्रायोगिक विषय को ... कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक ... एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकस...

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	

कुल प्राप्तांक शब्दों में | कुल प्राप्तांक अंकों में

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 1 का उत्तर (सही विकल्प)

562

सन् 1985

भारत - पाकिस्तान

नीली

प्रदेशों का एकीकरण

प्रश्न क्र. 2 (रिक्त - स्थान)

राष्ट

क्टुम्बर

BSE

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

de'smat

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 3 (एक वाक्य उत्तर)

1) मौलिक सदस्य

2) सार्क

3) सुरक्षा परिषद्

4) भूमण्डलीकरण

5) PWG - (people War Group)

BSE

प्रश्न क्र. 4 (सत्य - असत्य)

1) असत्य

2) सत्य

3) सत्य

4) सत्य

5) सत्य

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र 5 (सही जोडी बनाए)

1) बी. एन राव - संवैधानिक सलाहकार

2) सर्वेण्ट्स ऑफ इण्डियन सोसायटी - पूणे

3) बालिका समृद्धि योजना 1997

4) गोरखा लैण्ड आन्दोलन असम

5) परमाणु अप्रसार संधि 1968

प्रश्न क्र. 6 का (उत्तर)

आजाद कश्मीर - भारत पाकिस्तान विभाजन के समय जो सैनिक जहां थे वहीं बसगए तथा (पाकिस्तान द्वारा जम्मू - कश्मीर के 3200 वर्ग मील पर कब्जा लिया गया। जिसे आजाद कश्मीर के नाम से जाना जाता है।)

प्रश्न क्र. 7 का (उत्तर)

शरणार्थियो के लिए मुख्य दो समस्या है-

1) शरणार्थियो के पुनर्वास की समस्या उत्पन्न

2) शरणार्थियो द्वारा छोडी गई सम्पत्ति के क्षति की समस्या सबसे महत्वपुर्ण मानी गई

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र. 8 (उत्तर)

संवैधानिक सलाहकार बी. एन राऊ ने संविधान यात्राए की गई ~~तथा कई~~ देशो के संविधान सम्बन्धि मुख्य बातो को भारत संविधान मे भी रखा गया।

प्रश्न क्र. 9 (अथवा)

गुटनिरपेक्षता से आशय गुटो से अलग तथा सैनिक ~~गठबन्धनो~~ गठबन्धनो से अलग रहने की नीति है इसमे राष्ट्र किसी भी गुट से न मिलकर परस्पर सहायता की निती अपनाते है।

प्रश्न क्र. 10 का (अथवा)

कच्छाटीवु टापू भारत और श्रीलंका के मध्य पाक जल डमरु मध्य के बीच मे स्थित निरजन वन क्षेत्र है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 11 का (अथवा)

→ संविधान निर्माण की मुख्य आवश्यकता कुछ इस प्रकार है जैसे -

1) सरकार के मनमाने पूर्ण व्यवहार के प्रति मनुष्य को संरक्षण

संविधान निश्चित नियमो का संग्रह है तथा इसका पालन करना जनता व सरकार दोनो के लिए आवश्यक है सरकार को निरंकुश होने से संविधान रोकता है तथा सरकार संविधान मे कोई परिवर्तन नही कर सकती है।

2) सरकार की शक्तियो पर नियन्त्रण => संविधान सरकार पर अपना नियंत्रण बनाए हुए है तथा इसका उल्लगन सरकार भी नही कर सकती है संविधान की रक्षा उच्च न्यायालय द्वारा की जाती है।

3) राजनीतिक विधि सम्मत प्रगति की गारण्टी => संविधान के अन्तर्गत सरकार द्वारा जो विभिन्न विकास योजनाए चलाई जाती है उनका दो प्रकार से होता है एक नियोजित व अनियोजित संविधान के माध्यम मे योजनाए सुव्यवस्थित तरह से क्रियानवित होती है।

B S E

योग पूर्व

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

क्र.

प्रश्न क्र. 12 का (अथवा)

→ नागरिको को संविधान द्वारा (मौलिक अधिकार प्राप्त है मुख्य तीन कुछ ईस प्रकार है -

1) समानता का अधिकार - समानता का अधिकार सबसे महत्वपुर्ण अधिकार माना जाता है अनुछेद 14 से 18 के बिच समानता से सम्बन्धित अधिकारो का वर्णन है इसके आधार पर भारत मे रहने वाले सभी व्यक्ति समान है जाति, धर्म, वर्ण, गुण वंश आदि के आधार पर किसी के साथ कोई भेदभाव नही किया जा सकता है।

2) स्वतन्त्रता का अधिकार - भारत मे रहने वाले व्यक्तियो को कई स्थानो पर सभी प्रकार की स्वतन्त्रता प्राप्त है, किसी भी क्षेत्र मे निवास करने का, शान्तिपुर्ण जुलुस निकालने तथा संगठन बनाने आदि की स्वतन्त्रताए प्राप्त होती है।

3) धार्मिक स्वतन्त्रता का अधिकार - संविधान द्वारा समानता के अधिकार में कोई भी व्यक्ति अपनी इच्छा अनुसार धर्म ग्रहण व अपना सकता है भारत सरकार का कोई राज धर्म नही है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 13 का (उत्तर)

→ संयुक्त राष्ट्र संघ के लक्ष्य -

1) आने वाली पिढी को युद्ध की विभिषिका से बचाना।

2) शान्ती व सह-अस्तित्व का विकास कर देशो को उन्नत करना।

3) नि: शस्त्रिकरण हेतु प्रयास करना।

4) अन्तर्राष्ट्रीय मामलो को हल करने का उपयुक्त मंच है।

5) देशो के मध्य परस्पर सन्धि व व्यापार व्यवस्थाओ को जल्द से जल्द प्रारम्भ करना।

6) प्रबन्धकिय दक्षता में वृद्धि करना।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र. 14 का (उत्तर)

→ निः शस्त्रीकरण के मार्ग मे आने वाली प्रमुख बाधाए यह है –

1) परस्पर राष्ट्रो मे अविश्वास तथा सुरक्षा का भय है राष्ट्र निःशस्त्रीकरण की वार्ता करते हुए एक दूसरो को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा समझते है।

2) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रों को सुरक्षा की गारण्टी ना मिलना भी निःशस्त्रीकरण की ओर उदासिनता का कारण है।

3) छोटे राष्ट्रो मे महाशक्तियो के समान शक्तिशाली बनने की लालसा के कारण राष्ट्रो ने शस्त्रीकरण सम्बन्धि सुरक्षा व्युहो का निर्माण कर नविन हथियारो को अपनाया गया।

... प्रकार से राष्ट्रो द्वारा निःशस्त्रीकरण ...र्ग की यह प्रमुख समस्याए थी।

प्रश्न क्र. 15 (अथवा)

म.प्र पिछड़ा वर्ग आयोग के प्रमुख कार्य -

1) संविधान तथा सरकार द्वारा पिछड़े वर्ग के हितो के लिए चलाए गई योजना तथा कार्यक्रमो का क्रियानवयन करना म.प्र पिछड़ा वर्ग आयोग के मुख्य कार्य होता है।

2) लोक सेवाओ तथा शैक्षणिक संस्थानो मे पिछड़े वर्ग के लिए आरक्षण की मांग करना तथा सुझाव देना।

3) पिछड़े वर्ग मे आने वाले वर्गो के प्रार्थना पत्र पर विचार करना व पिछड़े वर्ग की सूची मे शामिल करना है।

4) क्रिमी लेयर में आने वाले वर्गो का निर्धारण करना (पता लगाना)।

एसे अन्य कार्यक्रमो करवाना जो सरकार द्वारा म.प्र पिछड़ा वर्ग आयोग को सौंपे गए हैं।

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र. 16 का (उत्तर)

→ भारत मे क्षेत्रवाद के उदय के मुख्य कारण -

1) क्षेत्रीय विभिन्नताए -> क्षेत्रवाद के उदय का मुख्य कारण क्षेत्र मे उपलब्ध सुविधाओं के कारण विशिष्ट लगाव होना है क्षेत्रवाद मे सभी क्षेत्र अपने स्थाई क्षेत्र के विकास को अधिक महत्व देते है।

2) भाषाई लगाव => क्षेत्रवाद मे भाषा को विशेष महत्व दिया जाता है तथा क्षेत्र की एक स्थाई भाषा के विकास पर बल दिया जाता है यही कार क्षेत्रवाद के उदय मे सहायता करता है।

3) सामाजिक पिछडापन व अन्याय - कई क्षेत्रो मे सामाजिक स्थितिया सुदृढ होती है तथा कई क्षेत्र पिछडे होते है इसका प्रभाव भी मुख्य रूप से क्षेत्रवाद पर पडता है।

4) निहित राजनीतिक स्वार्थ - अपने - अपने क्षेत्र के अलग - अलग राजनीति सुविधाए होती है इसी के लाभो को उठाने हेतु क्षेत्रीय विभिन्नताए जैसी समस्याए उत्पन्न हुई है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 17 ख (अथवा)

→ वनों से चार लाभ प्राप्त –

1) लकड़ी की प्राप्ति – मानव जीवन मे लकड़ी का प्रयोग अधिक से अधिक किया जाता है जो हमे वनों द्वारा प्राप्त होती है यह कई प्रकार के कार्यों घर बनाने, उद्योगो मे कच्चे माल के रूप मे व फर्नीचर मे भी प्रयोग मे लाई जाती है।

B
S
E

2) उद्योगो को कच्चा माल प्राप्त = वनों को उद्योगो का आधार माना जाता है वन उद्योगो के विकास का सबसे महत्वपुर्ण साधन है कुटीर, लघु, व वृहद आदि मे वनो की महत्वपुर्ण भुमिका है।

3) पशुओ के लिए चारा प्राप्त = वनों मे पशुओ के लिए सरलतापुर्वक चारा उपलब्ध होजाता है तथा अधिक मात्रा मे चराया जा सकता है।

4) वर्षा दर मे वृद्धि ⇒ वनो के कारण ही वर्षा की मात्रा मे बढोतरी की जा सकती है अधिक वन क्षेत्र मे वर्षा पर्याप्त मात्रा मे होती है।
वनो का मानव जीवन में बडी भुमिका रही है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

न क्र.

प्रश्न क्र. 18 का (उत्तर)

→ भारत विदेश नीति के निर्धारक तत्व -

1) भौगोलिक तत्व - भारत विदेश नीति निर्धारण मे भौगोलिक तत्व विशेष है भारत ऐसी स्थान मे स्थित है जहा से उसे सभी राष्ट्रो के साथ सम्बन्ध बनाए रखना आवश्यक है, इसी कारण गुटनिर्पेक्षता नीति अपनाई गई।

2) सैनिक तत्व = भारत - पाकिस्तान विभाजन के समय विश्व दो गुटो मे बटा था तथा किसी एक के साथ मिलना आवश्यक था, किन्तु भारत सैनिक दृष्टि से कमजोर था व देश को मजबूत करना आवश्यक था ऐसी स्थिति मे गुटनिर्पेक्षता नीति अपनाई गई।

3) विचारधाराए = विदेश नीति मे राष्ट्रो की विचारधाराओं का प्रभाव है भारत शान्ति प्रिय राष्ट्र है तथा सभी राष्ट्रो के साथ परस्पर सहयोग की भावना रखता है।

4) राष्ट्रीय हित व चरित्र => भारत विदेश नीति कारक स्वंय के हितों को ध्यान मे रखकर अन्य राष्ट्रो से सम्बन्ध स्थापित करता है तथा स्वतंत्र विदेश नीति का पालन करता रहा है।

योग पूर्व पृष्ठ   कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 19 (उत्तर)

→ सार्क का पूरा नाम दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ है तथा इसे "दक्षेस" के नाम से भी जाना जाता है इसकी स्थापना 7-8 दिसम्बर 1985 को (काठमाण्डू) नेपाल मे हुई। इसके सदस्य राष्ट्रो की संख्या 8 है।

सार्क के उद्देश्य –

1) सार्क संगठन का उद्देश्य आर्थिक, सामाजिक तकनिकि, वैज्ञानिक आदि क्षेत्रो मे परस्पर राष्ट्रो सहयोग देने है।

2) सार्क संगठन के सदस्य राष्ट्र आर्थिक विकास हेतु एक दूसरे के सहायता भी दे सकते है।

3) अन्तर्राष्ट्रीय मामलो के हल करने का यह एक उपयुक्त मंच है।

4) सदस्य राष्ट्रो के सदस्यो को शिक्षित किया जाता है।

5) एकसमान विदेश नीति अपनाई जाती है।

ESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

श्न क्र.

प्रश्न क्र. 20 का (उत्तर)

भारत - अमेरिका के मध्य 18 जुलाई 2005 को असैनिक परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर किया गया जिसकी शर्ते थी -

1) भारत को 2014 तक अपने 14 परमाणु रिएक्टर असैनिक श्रेणी मे लाना होगा। यह भारत स्वयं तय करेगा की वह अपने 22 मे से किन 14 को असैनिक या गैस सैनिक श्रेणी मे लाएगा।

2) भारत अन्तर्राष्ट्रीय अणु ऊर्जा आयोग से यह निर्णय ले सकता है की भारत के किन परमाणु को असैनिक श्रेणी मे लाया जाए - भारत - आयोग मिलकर तय करेगे।

3) भारत द्वारा भविष्य मे किए गए नविन परमाणु रिएक्टर मे से आयोग की निगरानी मे वही रखे जाएगे जो असैनिक क्षेत्र से सम्बन्धित होगे।

4) भविष्य मे किए गए रिएक्टरो का निर्धारण भारण करेगा की रिएक्टर सैनिक क्षेत्र से सम्बन्धित है या असैनिक क्षेत्र से है।

5) भविष्य मे यूरेनियम संवर्धन तथा पुन: प्रसंस्करण अमेरिका द्वारा भारत को उपलब्ध कराए जाएगे।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 2 का (उत्तर)

→ 1) **विभेदिकरण** - आधुनिकीकरण के अन्तर्गत श्रम - विभाजन किया जा सकता है विभेदिकरण की नीति को आधुनिक समाज का लक्षण माना जाता है।

2) **समानता** - आधुनिकीकरण के अन्तरगत सभी व्यक्तियों को समान स्थान प्राप्त है जाति, वर्ण, भेद, वंश आदि के आधार पर कोई भेद भाव नहीं किया जाता है। सभी व्यक्तियों को समानता का अधिकार प्राप्त है।

B
S

सार्वभौमिकता = भारत अपने आन्तरिक व ब्राह्य मामले मे स्वतन्त्र है तथा यह स्वतन्त्रता सभी व्यक्तियों को भी प्राप्त है। आधुनिकिरण के अन्तर्गत स्थान प्राप्त है।

परिवर्तन की क्षमता - किसी भी देश व समाज के विकास हेतु परिवर्तन आवश्यक तत्व माना जाता है।

आधुनिकीकरण के अन्दर मुख्य स्थान है। (परिवर्तन की क्षमता को)।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 22 का (उत्तर)

→ राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन 1953 किया गया था। राज्य पुनर्गठन आयोग द्वारा नवीन राज्यों के निर्माण हेतु सरकार के समक्ष कई संस्तुतियाँ रखी गई जैसे -

संस्तुतियाँ

1) नवीन राज्यों के निर्माण में एकता व अखण्डता की सर्वोच्च प्राथमिकता को ध्यान में रखा जाएगा।

B
S
E

2) 'एक भाषा - एक राज्य' के सिद्धान्त को पूर्ण निरस्त माना जाए।

3) राज्यों के पुनर्गठन में भाषाई एकरूपता को महत्व दिया जाए,

राज्यों के चार पक्षीय वर्गीकरण को अपनाया जाए।

राज्यों के निर्माण में वित्तीय व प्रशासनिक सुविधाओं ध्यान रखा जाएगा।

EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 23 का (उत्तर)

→ पंचवर्षीय योजना के उद्देश्य -

1) **आर्थिक संवृद्धि** => पंचवर्षीय योजना का मुख्य उद्देश्य लोगो के आर्थिक जीवन मे सुधार करना तथा उत्पादन मे वृद्धि करना है।

2) **आधुनिकिकरण** => पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत आधुनिक समाज की कल्पना की जाती है आधुनिकिकरण के लक्षण समानता, सार्वभौमिकता परिवर्तन की क्षमता तथा विभेदीकरण से है पंचवर्षीय योजना द्वारा इनका विकास किया गया।

3) **आत्मनिर्भरता** => इस योजना का उद्देश्य व्यक्ति को आन्तरिक व ब्राह्य क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है इसी से देश का विकास समभव बन सकता है।

4) **समानता व न्याय** => पंचवर्षीय यो मे समान अवसर उपलब्ध कराने तथा न्याय को विशेष महत्व दिया गया है, समानता व न्याय को बढ़ावा मिला।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

5) सुरक्षा व शान्ति =>

पंचवर्षीय योजना मे प्रथम योजना का उद्देश्य कृषि क्षेत्र मे विकास व आठवी पंचवर्षीय योजना का उद्देश्य औद्योगिकर के लिये क्षेत्र को बढावा मिला व समाज में सुरक्षा व न्याय के दृष्टिकोण को अपनाया गया ।

NEXT

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्र. 24 का उत्तर :

→ क्षेत्रवाद से आशय अपने क्षेत्र को अधिक विकसित करने से होता है तथा अनेक सुविधाओ योजनाओ के अवसरो की माग कर क्षेत्रवाद को बढावा मिला है।

क्षेत्रवाद के उदय के कारण को रोकने उपाय

B
S
E

1) समाज द्वारा क्षेत्रिय भिन्नता को अपनाने पर प्रतिबन्धित किया जाए तथा एक समान नीति अपनाई जाए।

2) क्षेत्रवाद के सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य भाषावाद को पुर्णत: समाप्त कर दिया जाए।

आर्थिक विकास के लाभों का समान रूप से वितरण किया जाए।

सामाजिक अन्याय व पिछडापन की समस्या हल करने के प्रयास किए जाए

निहित राजनीतिक स्वार्थ को समाप्त करकर एकसमान क्षेत्रिय नितिया अपनाने पर बल दिया जाए।

प्रश्न क्र. 25 का (अथवा)

सहकारी संगठन की मुख्य पाँच विशेषताए लिजिए-

1) सामुहिक हितो हेतु व्यक्तियो का संघ

2) स्वैच्छिक सदस्यता प्राप्त

3) 'काम करो' आन्दोलन का नारा

4) लाभ की जगह सेवा को महत्व

5) संघात्मक व लोकतान्त्रिक नीति पर आधारित

1) सामुहिक हितो हेतु व्यक्तियों का संघ => सहकारी संगठन एक आर्थिक समुदाय है जिसका उद्देश्य किसी विशेष वर्ग का हित साधना नही होता है इसमे आन्दोलन आर्थिक हितो के लिए चलाए जाते है।

2) स्वैच्छिक सदस्यता => सहकारी संगठन मे व्यक्ति अपनी इच्छा से आर्थिक हितो हेतु भाग लेते है उसे प्रतिबन्धित नही किया जाता है, सहकारी समुदाय स्वैच्छिक होते है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

3) 'काम करो' आन्दोलन का नारा - इस आन्दोलन मे लाभ के स्थाप पर सेवा करना महत्वपुर्ण है इसका नारा 'काम करो' रखा गया यह सामुहिक हितो के साधने वाले संगठन होते है।

4) लाभ की जगह - सेवा के महत्व = सगठन के सदस्यो को आर्थिक सुरक्षा प्राप्त होती है तथा मितव्ययता का गुण विकसित होती है। इसमे व्यक्ति लाभ को नही वरन् सेवा को आवश्यक समझते है।

5) संघात्मक व लोकतान्त्रिक प्रणाली पर आधारित = यह आन्दोलन संगठित यानि संघात्मक रूप से लोगो की इच्छा अनुसार संचालित कराए जाते हैं सहकारी आन्दोलन से मितव्ययता का [illegible] विकसित होता है।

BSE

MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र. 26 (उत्तर)

भारत विदेश नीति के प्रमुख सिद्धान्तो का वर्णन निम्न इस प्रकार से किया गया है_

1) गुटनिपेक्षता => भारत - पाक विभाजन के समय विश्व दो गुटो मे बंटा था तथा दोनो मे से किसी एक के साथ मिलना आवश्यक माना जा रहा था किन्तु भारत द्वारा दोनो गुटो मे न मिलकर गुटनिपेक्षता की नीति अपनाई क्योंकि भारत सैनिक दृष्टी से कमजोर था व इसकी सुरक्षा प्रथम थी।

2) उपनिवेशवाद व साम्राज्यवाद का विरोध = भारत प्रारम्भ से ही उपनिवेशवाद व साम्राज्यवाद की निन्दा करता रहा है तथा भारत ने स्वतन्त्र विदेश नीति अपनाई गई। भारत अपने आन्तरिक व ब्राह्य मामले मे स्वतन्त्र है।

3) पंचशील का समर्थन => बौद्ध धर्म के पाँच सिद्धान्तो को भारत ने अपनी विदेश नीति मे अपनाया सर्वप्रथम यह सन्धि भारत प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु व चीन प्रधानमन्त्री - चाव - ए-लाई के मध्य 29 अप्रैल 1954 को हुआ। परस्पर राष्ट्र विदेश नीति मे इन सिद्धान्तों को अपनाएगे।

5

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

4] **संयुक्त राष्ट्र मे दृढ आस्था** => भारत ने संयुक्त राष्ट्र मे अपने दृढ आस्था व्यक्त की है अन्तर्राष्ट्रीय विवादो के निपटारो के लिए भारत ने संयुक्त राष्ट्र पर विश्वास व्यक्त किया है, यह भारत विदेश नीति सिद्धान्त है।

5] **नि: शस्त्रीकरण का समर्थन** - भारत शान्ति तथा सह-अस्तित्व के सिद्धान्तो को अपनाता आ रहा है मानता की रक्षा, उपनिवेशवाद व का अन्त व युद्धो मे कमी के लिए भारत ने नि: शस्त्रीकरण को महत्व दिया है।

... सभी बिन्दुओ को भारत विदेश नीति ... मान जाते है।

B S E

END